vinetur

E-Malt ने वैश्विक जौ आपूर्ति का अनुमान बढ़ाकर 156.2 मिलियन टन किया

ऑस्ट्रेलिया में रिकॉर्ड 18.1 मिलियन टन फसल का अनुमान माल्ट निर्माताओं और बीयर उत्पादकों की खरीद पर दबाव कम कर सकता है

शुक्रवार, 20 नवंबर 2026



शुक्रवार, 20 नवंबर को प्रकाशित E-Malt की एक रिपोर्ट के अनुसार, ऑस्ट्रेलिया में रिकॉर्ड 18.1 मिलियन टन फसल के अनुमान के चलते वैश्विक जौ आपूर्ति का अनुमान बढ़ाकर 156.2 मिलियन टन कर दिया गया है।

प्रकाशन ने कहा कि वैश्विक आपूर्ति के ऊंचे अनुमान की वजह ऑस्ट्रेलिया की फसल का बेहतर पूर्वानुमान है। सार्वजनिक रूप से उपलब्ध सारांश में अन्य उत्पादक देशों के अनुमान में बदलाव या वैश्विक आपूर्ति के पिछले अनुमान का आंकड़ा नहीं दिया गया।

यह संशोधन अहम है, क्योंकि वैश्विक व्यापार में ऑस्ट्रेलिया जौ का एक प्रमुख स्रोत है। ऑस्ट्रेलिया की बड़ी फसल से बाजार में निर्यात योग्य मात्रा बढ़ सकती है और मांग स्थिर रहने पर अन्य जगहों की तंग आपूर्ति की भरपाई में मदद मिल सकती है। वैश्विक अनाज बाजारों में किसी बड़े निर्यातक के उत्पादन में बदलाव से आपूर्ति की उम्मीदों, व्यापार प्रवाह

और आयातकों के खरीद निर्णयों पर तेजी से असर पड़ सकता है।

जौ का व्यापक इस्तेमाल पशु आहार के रूप में होता है, लेकिन यह माल्ट उत्पादन का भी एक प्रमुख कच्चा माल है। इसलिए इसकी आपूर्ति का अनुमान ब्रुअरी, डिस्टिलरी और माल्ट निर्माताओं के लिए प्रासंगिक है, जिन्हें अच्छी गुणवत्ता वाले अनाज की नियमित उपलब्धता पर निर्भर रहना पड़ता है। जौ की उपलब्धता बढ़ने पर माल्ट उत्पादकों के लिए खरीद की स्थिति बेहतर हो सकती है और बीयर निर्माताओं की इनपुट लागत पर दबाव घट सकता है। हालांकि, कीमतों पर असर ढुलाई लागत, विनिमय दरों, क्षेत्रीय मांग और सबसे बढ़कर इस बात पर भी निर्भर करेगा कि फसल का कितना हिस्सा पशु-आहार गुणवत्ता के बजाय माल्ट बनाने के मानकों पर खरा उतरता है।

यह अंतर अहम है, क्योंकि कटाई में प्राप्त हर टन जौ बीयर उत्पादन के लिए उपयुक्त नहीं होता। माल्ट निर्माता जौ में प्रोटीन का खास स्तर, अंकुरण की गुणवत्ता और दानों की विशिष्ट विशेषताएं देखते हैं। बड़ी फसल से कुल आपूर्ति बढ़ सकती है, लेकिन पेय क्षेत्र को इसका अधिक लाभ तभी होगा जब फसल का पर्याप्त हिस्सा माल्ट बनाने योग्य हो। कटाई के दौरान मौसम, भंडारण की स्थितियां और लॉजिस्टिक्स अब भी यह प्रभावित कर सकते हैं कि कितना अनाज उस मानक तक पहुंचता है।

E-Malt का यह अपडेट संकेत देता है कि ऑस्ट्रेलिया का अनुमान बेहतर होने के बाद कागजों पर बाजार की स्थिति अधिक सहज हो रही है। फिर भी, फसल के आंकड़े अंतिम रूप लेने और निर्यातक अंतरराष्ट्रीय बाजारों में माल भेजना शुरू करने के साथ अनाज का संतुलन तेजी से बदल सकता है। आयातक और प्रसंस्करणकर्ता आम तौर पर फसल के सुर्खियों में आए आंकड़ों से आगे जाकर यह आकलन करते हैं कि विपणन वर्ष के दौरान वास्तव में कितना उपयोग योग्य अनाज उपलब्ध होगा और कहां उसकी कीमत प्रतिस्पर्धी होगी।

बीयर निर्माताओं के लिए वैश्विक जौ आपूर्ति का परिदृश्य कच्चे माल की व्यापक तस्वीर का एक हिस्सा है, जिसमें माल्ट बनाने की लागत, ऊर्जा की कीमतें, पैकेजिंग खर्च और उपभोक्ता मांग भी शामिल हैं। फिर भी, बीयर उत्पादन में जौ सबसे अहम कृषि-आदानों में से एक है, इसलिए दुनिया में इसकी उपलब्धता में किसी भी बढ़ोतरी पर पेय आपूर्ति श्रृंखला की पैनी नजर रहती है। अधिक आपूर्ति से कमी का जोखिम घट सकता है, लेकिन इससे निर्माताओं की लागत में तुरंत बचत होना तय नहीं है।

रिपोर्ट का यह अपडेट इस मौसम में जौ बाजार की दिशा तय करने में ऑस्ट्रेलिया की भूमिका पर ध्यान और बढ़ाता है। अब देश में 18.1 मिलियन टन फसल की उम्मीद है। ऐसे में पशु-आहार और माल्ट बनाने वाले जौ के खरीदार फसल की गुणवत्ता, निर्यात की रफ्तार और अन्य स्रोतों से प्रतिस्पर्धा पर नजर रखेंगे, ताकि यह आकलन कर सकें कि बड़ी फसल से वैश्विक आपूर्ति की स्थितियां किस हद तक बदलेंगी।